जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

राजस्थानी भाषा साहित्य शोध केन्द्र

2025–2026

पी–एच.डी. कोर्स वर्क हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

अ. राजस्थानी भाषा

i. राजस्थानी भाषा की विकास परम्परा– वैदिक संस्कृत से आधुनिक राजस्थानी भाषा पर्यन्त

ii. भाषायी तत्त्वों के आधार पर राजस्थानी भाषा

iii. राजस्थानी भाषा की विभिन्न बोलियां और उनका क्षेत्र

iv. राजस्थानी भाषा की सामान्य एवं व्याकरणिक विशेषताएं

ब. राजस्थानी साहित्य का इतिहास : राजस्थानी साहित्य की विकास परम्परा के विभिन्न सोपान

i. प्राचीन काल– परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

ii. मध्यकाल– पूर्व मध्यकाल, उत्तरमध्यकाल– परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

iii. आधुनिक राजस्थानी साहित्य– विकास के विभिन्न चरण– स्वातंत्र्योत्तर राजस्थानी साहित्य की विकास परम्परा के विभिन्न आयाम

2. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

अ. लोक एवं लोक साहित्य

i. लोक का अर्थ और सामान्य परिचय

ii. लोक के तत्त्व

iii. लोक साहित्य का परिचय एवं विशेषताएं

iv. लोक साहित्य एवं अभिजात्य साहित्य में अंतर

ब. राजस्थानी लोक साहित्य का परिचय एवं विभिन्न विधाएं–

i. राजस्थानी लोककथा

ii. राजस्थानी लोकगीत

iii. राजस्थानी लोकगाथा

iv. राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य

स. राजस्थानी लोक संस्कृति

i. संस्कृति का अर्थ, परिभाषा एवं तत्त्व

ii. संस्कृति एवं सभ्यता का तुलनात्मक अध्ययन

iii. राजस्थानी लोक संस्कृति की विशेषताएं

3. राजस्थानी संत काव्य परम्परा

i. प्रमुख संत एवं संत सम्प्रदाय

ii. संत काव्य की विशेषताएं

iii. आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में संत काव्य की देन

iv. वर्तमान युग में संत काव्य की प्रासंगिकता

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
2. राजस्थानी भाषा साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस
3. History of Rajasthani Literature : Dr. H.L. Maheshwari
4. राजस्थानी साहित्य : संस्कृति : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
5. राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डॉ. देवकोठारी
6. राजस्थानी लोकसाहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण